This question paper contains 2 printed pages. *Your Roll No.* ....

Sl. No. of Ques. Paper : **7823** **GC**

Unique Paper Code : **62051102**

Name of Paper : **Hindi Bhasha aur Sahitya – A**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) कबीर इस संसार को, समझाऊँ कै बार।
पूँछ जु पकड़ै भेड़ को, उतरया चाहै पार।।
जांनि बूझि साँचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेहु।
ताको संगति राम जी, सुपिनैं हो जिनि देहु।।

अथवा

मण थें परस हरि रे चरण।।
सुभग सीतल कँवल कोमल, जगत ज्वाला हरण।
इण चरण प्रह्लाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण।
इण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण।
इण चरण ब्रह्माण्ड भेट्याँ, नखसिखाँ गिरि भरण।
इण चरण कालियाँ णाथ्याँ, गोपी लीला करण।
इण चरण गोबरधन धारयाँ, गरब मघवा हरण।
दासि मीराँ लाल गिरधर, अगम तारण तरण।

(ख) चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार।
नहिं जानतु, इहिं पर बसैं, धोबी, ओड़ कुँभार।।
नीच हियैं हुलसे रहैं, गहे गेंद के पोत।
ज्यौं ज्यौं माथैं मारियत, त्यौं त्यौं ऊँचे होत।।

अथवा

आँखि ही मेरी पै चेरी भई लखि फेरी फिरै न सुजान की घेरी।
रूप-छकी, तित ही बिथकी, अब ऐसी अनेरी पत्याति न नेरी।
प्रान लै साथ परी पर-हाथ बिकानि की बानि पै कानि बखेरी।
पायनि पारि लई घनआनँद चायनि, बावरी प्रीति की बेरी।।

(ग) हा! बन्धुओं के ही करों से बन्धु-गण मारे गये!
हा! तात से सुत, शिष्य से गुरु स-हठ संहारे गये!
इच्छा-रहित भी वीर पाण्डव रत हुए रण में अहो!
कर्त्तव्य के वश विज्ञ जन क्या-क्या नहीं करते कहो?

अथवा

रे, रोक युधिष्ठिर को न यहाँ,
जाने दे उनको स्वर्ग धीर,
पर, फिरा हमें गाण्डीव-गदा,
लौटा दे अर्जुन-भीम वीर।
कह दे शंकर से, आज करें
वे प्रलय-नृत्य फिर एक बार
सारे भारत में गूँज उठे,
'हर-हर-बम' का फिर महोच्चार। 10×3=30

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) कबीर

(ख) मीराँबाई। 10

3. बिहारी के दोहों के आधार पर उनके काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए।

अथवा

घनानंद की प्रेम व्यंजना स्पष्ट कीजिए। 10

4. 'हिमाद्रि तुंग शृंग से' कविता के आधार पर प्रसाद जी की काव्य-कला पर विचार कीजिए।

अथवा

'बादल को घिरते देखा है' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिन्दी भाषा का परिचय

(ख) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

(ग) आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

(घ) कृष्ण भक्ति धारा

(ङ) भारतेन्दु युग

(च) हिन्दी नाटक। 5×3=1